

भारतीय शिक्षा बोर्ड
प्रतिदर्श प्रश्नपत्र (उत्तरमाला) 2026-27

कक्षा -11

विषय-हिंदी (101)

उत्तर-1

- (i) (ग) धनुष-बाण, तलवार, भाले
- (ii) (ख) रेडियो डिटेक्शन एंड रेंजिंग
- (iii) (ग) विद्युत चुंबकीय तरंगें
- (iv) शत्रु के विमानों की सही स्थिति का ज्ञान प्राप्त करना।
- (v) रेडार की मदद से उड़ते हुए शत्रु के विमानों की सही स्थिति ज्ञात की जा सकती है।
- (6) (क) (A) और (R) दोनों सही हैं, और (R), (A) की सही व्याख्या है।

उत्तर-2

- (i) (अ) पत्तों से बनी कुटिया।
- (ii) योगी के समान प्रतीत होता है।
- (iii) मर्त्यलोक का मालिन्य मेटने अपने पति श्री राम के साथ माता सीता आई हैं।
- (iv) वीर वंश की लाज माता सीता को कहा गया है।

उत्तर-3

- (i) (ग) उपमा अलंकार 'सम' वाचक शब्द द्वारा मुख की तुलना चंद्रमा से की गई है।
- (ii) (घ) यमक अलंकार 'कनक' शब्द दो बार आया है और दोनों बार अर्थ अलग (सोना और धतूरा) हैं।
- (iii) (क) मानवीकरण अलंकार वसंत ऋतु को 'महंत' (साधु) के रूप में मनुष्य की तरह दिखाया गया है।
- (iv) (ख) उत्प्रेक्षा अलंकार 'मनहुँ' शब्द का प्रयोग कर संभावना व्यक्त की गई है।


13/10/26

उत्तर-4

- (i) (ग) वीर रस इसमें झाँसी की रानी की वीरता और साहस का वर्णन है।
- (ii) (घ) शृंगार रस इसमें कृष्ण और राधा के प्रेमपूर्ण वार्तालाप (संयोग शृंगार) का वर्णन है।
- (iii) (क) रौद्र रस इसमें अर्जुन के क्रोध और आवेश का वर्णन किया गया है।
- (iv) (ख) करुण रस इसमें पति की मृत्यु के बाद पत्नी के शोक और दुख का वर्णन है।

उत्तर-5

- (i) (ग) दीर्घ स्वर संधि यहाँ 'आ' + 'आ' मिलकर 'आ' (दीर्घ) हो गए हैं।
- (ii) (घ) व्यंजन संधि यहाँ व्यंजन 'त्' का मेल 'ज्' से होने पर वह 'ज्' में बदल गया है।
- (iii) (क) विसर्ग संधि यहाँ विसर्ग (ः) का मेल 'च' से होने पर वह 'श्' में बदल गया है।
- (iv) (ख) गुण स्वर संधि यहाँ 'अ' + 'उ' मिलकर 'ओ' में परिवर्तित हो गए हैं।

उत्तर-6

- (i) संज्ञा (ग) हिमालय (किसी व्यक्ति, वस्तु या स्थान का नाम)
- (ii) सर्वनाम (च) वह (संज्ञा के स्थान पर प्रयोग होने वाला शब्द)
- (iii) विशेषण (ङ) सुंदर (संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताने वाला शब्द)
- (iv) क्रिया विशेषण (क) धीरे-धीरे (क्रिया की विशेषता बताने वाला शब्द)
- (v) अव्यय (ख) और (वे शब्द जिनमें लिंग, वचन या कारक के कारण परिवर्तन नहीं होता)
- (vi) अकर्मक क्रिया (घ) जहाँ क्रिया में कर्म का पता न चले

उत्तर-7

- (i) मयूर तत्सम शब्द (संस्कृत के वे शब्द जो हिंदी में ज्यों के त्यों प्रयोग होते हैं)।
- (ii) हाथ तद्भव शब्द (संस्कृत के 'हस्त' शब्द का बदला हुआ रूप)।
- (iii) खिड़की देशज शब्द (वे शब्द जिनकी उत्पत्ति स्थानीय बोलियों से हुई है)।
- (iv) स्कूल विदेशज शब्द (विदेशी भाषाओं, जैसे—अंग्रेजी, से आए शब्द)।

उत्तर-8

- (i) अनु — अनुरूप, अनुवाद
- (ii) आइन — पंडिताइन, ठकुराइन

उत्तर-9

- (i) (ख) अव्ययीभाव (पहला पद 'यथा' अव्यय है)
- (ii) (ग) बहुव्रीहि (तीसरे अर्थ 'गणेश' की ओर संकेत है)
- (iii) (क) द्वंद्व समास

उत्तर-10

- (i) (ख) दोनों ही स्थानों पर सरस्वती स्थिर नहीं रहतीं (जीभ और पीपल का पत्ता दोनों चंचल हैं)।
- (ii) (ग) क्योंकि इसका पत्ता निरंतर हिलता रहता है।
- (iii) (ग) कम-से-कम एक पत्ती अवश्य काँपती हुई दिखती है।
- (iv) (ख) क्योंकि दृष्टि सहज ही गति (हलचल) की ओर आकृष्ट होती है।
- (v) (ग) देखने की कठिनाई का अर्थ यह नहीं कि सत्य का अस्तित्व नहीं है।

उत्तर-11

- (i) (ख) राज, धर्म और तन (मंत्री से राज्य, गुरु से धर्म और वैद्य से शरीर का नाश होता है)।
- (ii) (ग) नीच व्यक्ति सज्जनों के साथ रहकर भी अपनी दुष्टता नहीं त्यागता।
- (iii) (ग) दशकंध (रावण) की तरह सपरिवार।
- (iv) (क) जहाँ जीतने पर भी आपकी नैतिक हार हो, वहाँ जीतने की कोशिश नहीं करनी चाहिए।
- (v) (ख) राम ने वन के पशु-पक्षियों को भी मित्र बना लिया, जबकि बाली और रावण ने अपने हितैषियों को शत्रु बना लिया।

उत्तर-12

संदर्भ-पाठ का नाम-मासानां मार्गशीर्षोऽहम्

लेखक-रामवृक्ष बेनीपुरी

प्रसंग-गद्यांश के आधार पर विद्यार्थी लिखें।

व्याख्या-गद्यांश के आधार पर विद्यार्थी लिखें।

विशेष-माघ माह का वर्णन, धन की गुणवत्ता और प्रकार का वर्णन, तत्सम शब्दावली



13/10/20

उत्तर-13

संदर्भ-पाठ का नाम-हिमाद्री तुंग शृंग से

कवि का नाम-जयशंकर प्रसाद

प्रसंग-तक्षशिला की राजकुमारी अलका द्वारा अपने देश के नागरिकों को तैयार करना यह एक प्रयाण गीत है

व्याख्या-पद्यांश के आधार पर विद्यार्थी लिखें।

विशेष-भाषा तत्सम शब्दावली

- प्रयाण गीत
- अनुप्रास अलंकार

उत्तर-14

- (i) विद्यार्थियों के अपने विवेक से तर्कसंगत, संवेदनात्मक, अनुभवात्मक, ढंग से लिखे गये सभी उत्तर स्वीकार्य होंगे।
- (ii) विद्यार्थियों के अपने विवेक से तर्कसंगत, संवेदनात्मक, अनुभवात्मक, ढंग से लिखे गये सभी उत्तर स्वीकार्य होंगे।
- (iii) विद्यार्थियों के अपने विवेक से तर्कसंगत, संवेदनात्मक, अनुभवात्मक, ढंग से लिखे गये सभी उत्तर स्वीकार्य होंगे।

उत्तर-15

- (i), (ii), (iii) विद्यार्थियों के अपने विवेक से तर्कसंगत, संवेदनात्मक, अनुभवात्मक, ढंग से लिखे गये सभी उत्तर स्वीकार्य होंगे।

उत्तर-16

- (i) उत्तर : (ख) एक-स्थान से दूसरे-स्थान पर पहुँचना/चलना।
- (ii) उत्तर : जनसंचार की सबसे प्रमुख विशेषता इसकी 'सार्वजनिकता' है। इसमें संदेश किसी एक व्यक्ति के लिए न होकर पूरे समाज या एक विशाल समूह के लिए होता है, और इसका स्वरूप तकनीकी माध्यमों (जैसे टीवी, रेडियो, इंटरनेट) पर आधारित होता है।
- (iii) उत्तर : समाचार लेखन के 6 (छः) ककार होते हैं : (क्या, कौन, कहाँ, कब, क्यों और कैसे)।


13/10/26

(iv) उत्तर : 'वॉचडॉग पत्रकारिता' का मुख्य उद्देश्य सरकार और सार्वजनिक संस्थानों के कामकाज पर कड़ी नज़र रखना और किसी भी प्रकार की गड़बड़ी या भ्रष्टाचार का खुलासा करना है।

उत्तर-17

(i) उत्तर : समाचार लेखन की सबसे लोकप्रिय और प्रभावशाली शैली 'उल्टा पिरामिड शैली' है।

कारण : क्योंकि इसमें सबसे महत्वपूर्ण तथ्य या सूचना को सबसे पहले लिखा जाता है और कम महत्वपूर्ण बातों को अंत में, जिससे पाठक कम समय में मुख्य खबर जान लेता है।

(ii) उत्तर : पत्रकारिता में 'बीट' का अर्थ लेखन का विशेष क्षेत्र है। संवाददाताओं के बीच उनकी रुचि और ज्ञान के आधार पर कार्य का विभाजन (जैसे-अपराध, खेल, राजनीति, शिक्षा आदि) 'बीट' कहलाता है।

(iii) उत्तर : फीचर एक सुव्यवस्थित, सृजनात्मक और आत्मनिष्ठ लेखन है, जिसका उद्देश्य पाठकों को सूचना देने के साथ-साथ उनका मनोरंजन करना भी होता है। यह समाचार की तरह केवल तथ्यों तक सीमित नहीं होता।

(iv) उत्तर : संचार के प्रमुख साधन हैं : समाचार पत्र-पत्रिकाएँ, रेडियो, टेलीविजन, इंटरनेट (सोशल मीडिया) और सिनेमा।

(v) उत्तर : संचार के लिए आवश्यक तत्व निम्नलिखित हैं :

1. स्रोत या प्रेषक (Sender)
2. संदेश (Message)
3. माध्यम (Channel)
4. प्राप्तकर्ता (Receiver)
5. फीडबैक (Feedback)
6. शोर (Noise) – जो संचार में बाधा डालता है।

उत्तर-18

(i) उत्तर : 'खोजी पत्रकारिता' उसे कहते हैं जिसमें पत्रकार उन सूचनाओं और तथ्यों को गहराई से छानबीन करके सामने लाता है, जिन्हें छिपाने की कोशिश की जा रही हो। इसका उपयोग भ्रष्टाचार और घोटालों को उजागर करने के लिए किया जाता है।


13/10/26

(ii) उत्तर : एक संपादक में निम्नलिखित विशेषताएँ होनी चाहिए :

1. निष्पक्षता : संपादक को किसी भी विचारधारा या दबाव से मुक्त होकर तटस्थ निर्णय लेना चाहिए।
2. तथ्यात्मकता और शुद्धता : समाचार की सत्यता की जाँच करना और अशुद्धियों को दूर करना उसकी प्राथमिकता होनी चाहिए।
3. भाषाई ज्ञान : उसे भाषा, व्याकरण और शैली का गहरा ज्ञान होना चाहिए ताकि वह प्रस्तुति को बेहतर बना सके।
4. दूरदर्शिता और नैतिकता : समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी को समझना और पत्रकारिता के नैतिक मूल्यों का पालन करना आवश्यक है।

उत्तर-19 (विकल्प 'क' का उत्तर)

सोशल मीडिया : जनसंचार का सशक्त माध्यम और प्रभाव

वर्तमान समय में सोशल मीडिया जनसंचार के सबसे तेज़ और प्रभावी माध्यम के रूप में उभरा है। इसके सकारात्मक और नकारात्मक पक्ष निम्नलिखित हैं :

सकारात्मक पहलू :

1. सूचनाओं की त्वरित पहुँच : किसी भी घटना की जानकारी पल-भर में दुनिया के कोने-कोने तक पहुँच जाती है।
2. अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता : यह आम जनता को अपनी आवाज़ बुलंद करने और सरकार तक अपनी बात पहुँचाने का मंच प्रदान करता है।
3. शिक्षा और जागरूकता : इसके माध्यम से शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध जन-जागरूकता फैलाना आसान हो गया है।
4. वैश्विक जुड़ाव : दुनिया-भर के लोग एक-दूसरे से जुड़ सकते हैं और संस्कृतियों का आदान-प्रदान होता है।

नकारात्मक पहलू :

1. भ्रामक सूचनाएँ (Fake News): बिना जाँच-परख के गलत खबरें फैलाने से समाज में तनाव और दंगे की स्थिति पैदा हो जाती है।
2. निजता का खतरा (Privacy issues) : डेटा चोरी और व्यक्तिगत जानकारी का दुरुपयोग एक बड़ी समस्या है।


13/10/22

3. मानसिक स्वास्थ्य पर प्रभाव : सोशल मीडिया की लत से युवाओं में अवसाद, एकाकीपन और साइबर बुलिंग जैसी समस्याएँ बढ़ रही हैं।

4. समय की बर्बादी : अत्यधिक उपयोग से उत्पादकता में कमी आती है।

समाज पर प्रभाव : सोशल मीडिया ने समाज को लोकतांत्रिक बनाया है, जहाँ हर व्यक्ति 'कंटेंट क्रिएटर' है। इसने पुरानी संचार व्यवस्था को बदल दिया है। यदि इसका उपयोग जिम्मेदारी और समझदारी से किया जाए, तो यह वरदान है, अन्यथा यह सामाजिक ताने-बाने को नुकसान भी पहुँचा सकता है। निष्कर्षतः, समाज को 'डिजिटल साक्षरता' की आवश्यकता है ताकि इसके नकारात्मक प्रभावों से बचा जा सके।

उत्तर-19

अथवा

एक अच्छी कविता निर्माण के लिए निम्न तत्वों की आवश्यकता होती है।

उत्तर : कविता मनुष्य के हृदय की भावनाओं को व्यक्त करने का सबसे प्राचीन और सशक्त माध्यम है।

एक अच्छी कविता केवल शब्दों का समूह नहीं होती, बल्कि उसमें संवेदना और शिल्प का गहरा तालमेल होता है।

कविता निर्माण के लिए निम्नलिखित तत्वों की आवश्यकता होती है :

1. शब्दों का चयन कविता का सबसे पहला और बुनियादी तत्व 'शब्द' है। शब्दों के उचित चयन और उनके सही मेल से ही कविता का ढाँचा तैयार होता है। कवि के शब्दों के अर्थ और उनकी ध्वनियों के प्रति सजग होना चाहिए ताकि वे वांछित प्रभाव पैदा कर सकें।
2. बिम्ब बिम्ब का अर्थ है 'शब्द-चित्र'। एक अच्छी कविता पाठक की आँखों के सामने एक मानसिक चित्र उपस्थित करती है। बिम्बों के माध्यम से अमूर्त (जो दिखाई न दे) भावनाओं को भी मूर्त रूप दिया जाता है, जिससे पाठक कविता से गहराई से जुड़ पाता है।
3. छंद और लय : लय और छंद कविता को गद्य से अलग करते हैं। लय कविता में संगीत पैदा करती है, जिससे उसे याद रखना और गुनगुनाना आसान होता है। आधुनिक कविता भले ही मुक्त छंद में लिखी जा रही हो, लेकिन उसमें भी एक आंतरिक 'लय' (का होना अनिवार्य है।)
4. प्रतीक : जब कोई शब्द अपने सामान्य अर्थ को छोड़कर किसी विशेष अर्थ की ओर संकेत करता है, तो उसे प्रतीक कहते हैं। प्रतीक कविता की गहराई बढ़ाते हैं और कम शब्दों में बहुत कुछ कहने की क्षमता रखते हैं।

Ankita
13/10/26

5. भाव और विचार : भाव कविता की आत्मा है। बिना संवेदना या भावना (करुणा, प्रेम, क्रोध, उत्साह आदि) के कविता निर्जीव होती है। एक अच्छी कविता में भावों के साथ-साथ किसी ठोस विचार या दर्शन का होना भी आवश्यक है, जो समाज को कोई संदेश दे सके।

6. भाषा-शिल्प : कविता की भाषा सरल, सुबोध और प्रभावशाली होनी चाहिए। अलंकारों का प्रयोग कविता के सौंदर्य को बढ़ाता है, लेकिन इनका प्रयोग स्वाभाविक होना चाहिए न कि बोझिल।

7. परिवेश और संदर्भ : कविता किस समय और किस परिवेश में लिखी जा रही है, इसका महत्व होता है। एक अच्छी कविता अपने समय की समस्याओं, खुशियों और परिस्थितियों को प्रतिध्वनित करती है।

निष्कर्ष : संक्षेप में, एक अच्छी कविता वह है जिसमें हृदय की संवेदना (भाव) और अभिव्यक्ति का कौशल (शिल्प) इस प्रकार मिले हों कि वह पाठक के मन को छू ले और उसे सोचने पर मजबूर कर दे।


13/10/26